

सूर्य देव का वार है

सूर्य देव का वार है उर्जा का संचार है
रवि वार दिन सूर्य देव का पूज रहा संसार है
सूर्य देव का वार है

सूर्य देव का रथ चलता है तो जन जीवन चलता है
पाके ऊष्मा सूर्य देव की धरा का आँचल खिलता है
यही सूर्य का सार है उर्जा का संचार है
रवि वार दिन सूर्य देव का पूज रहा संसार है
सूर्य देव का वार है

प्राहते काल की नर्म लाली माँ सूर्य देव जब लाते है,
जन जीवन जागृत होता पंशी गुण गुण गाते है
धरती का शिंगार है उर्जा का संचार है
रवि वार दिन सूर्य देव का पूज रहा संसार है
सूर्य देव का वार है

सूर्य देव का जो प्रति दिन पूजन वन्दन करता है,
नियमत करे अश्रान ध्यान जो रवि अभिनंद करता है
कटता रोग विकार है उर्जा का संचार है
उर्जा का संचार है
रवि वार दिन सूर्य देव का पूज रहा संसार है
सूर्य देव का वार है

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20214/title/surye-dev-ka-vaar-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |